दसवीं माला, खंड 18, अंक 1

सोमवार, 22 फरवरी, 1993
3 फाल्गुन, 1914 (शक)

लोक सभा वाद-विवाद

का

हिन्दी संस्करण

छठा सत्र
(दसवीं लोक सभा)

(खंड 18 में अंक 1 से 10 तक हैं)

लोक सभा सचिवालय
नई दिल्ली

मूल्य : चार रुपये

[अंग्रेजी संस्करण में सम्मिलित मूल अंग्रेजी कार्यवाही और हिन्दी संस्करण में सम्मिलित हिन्दी कार्यवाही ही प्रामाणिक मानी जायेगी। उनका अनुवाद प्रामाणिक नहीं माना जायेगा .

विषय-सूची

दशम माला, खंड 18, छठा सत्र, 1993/1914 (शक)

अंक 1, सोमवार, 22 फरवरी, 1993/3 फाल्गुन, 1914 (शक)

विषय	पृष्ठ
राष्ट्रीय गान गाया गया	1
राष्ट्रपति का अभिभाषण—सभा पटल पर रखा गया	1—11
निधन संबंधी उल्लेख	11—15
मंत्रियों का परिचय	15—16

दसवीं लोक सभा के सदस्यों की वर्णानुक्रमानुसार सूची

अ

अंचलोज, श्री थाइल जान (अलप्पी)

अंसारी, श्री मुमताज (कोडरमा)

अकबर पाशा, श्री बी० (वेल्लोर)

अग्निहोत्री, श्री राजेन्द्र (झांसी)

अजित सिंह, श्री (बागपत)

अडईकलराज, श्री एल० (तिरुचिरापल्ली)

अन्तुले, श्री ए० आर० (कोलाबा)

अम्बारासु इरा, श्री (मद्रास मध्य)

अब्दुल गफूर, श्री (गोपालगंज)

अयूब खां, श्री (झुंझुनु)

अय्यर, श्री मणि शंकर (मईलादुतुराई)

अरुणाचलम, श्री एम० (टेन्कासी)

अवैद्यनाथ, महन्त (गोरखपुर)

अशोकराज, श्री ए० (पैरम्बलूर)

अर्स, श्रीमती चन्द्रप्रभा (मैसूर)

अहमद, श्री ई० (मंजेरी)

अहमद, श्री कमालुद्दीन (हुनमकोण्डा)

अहिरवार, श्री आनन्द (सागर)

आ

आचार्य, श्री बसुदेव (बांकुरा)

आजम, डा० फैयाजुल (बेतिया)

आडवाणी, श्री लाल कृष्ण (गांधीनगर)

आदित्यन, श्री आर० धनुषकोडी (तिरुचेंगूर)

इ

इन्द्रजीत, श्री (दार्जिलिंग)

इम्चालम्बा, श्री (नागालैंड)

इस्लाम, श्री नुरुल (धुबरी)

उ

उन्नीकृष्णन्, श्री के० पी० (बडागरा)

उपाध्याय, श्री स्वरूप (तेजपुर)

उमराव सिंह, श्री (जालन्धर)

उमा भारती, कुमारी (खजुराहो)

उम्ब्रे, श्री लाईता (अरुणाचल पूर्वी)

उम्मा रेड्डी वेंकटस्वरलु, प्रो० (तेनाली)

उरांव, श्री ललित (लोहरदगा)

ए

एन्थनी, श्री फ्रेंक (नाम निर्देशित आंग्ल भारतीय)

ओ

ओडियार, श्री चनैया (दावणगेरे)

ओवेसी, श्री सुल्तान सलाउद्दीन (हैदराबाद)

क

कटियार, श्री विनय (फैजाबाद)

कठेरिया, श्री प्रभु दयाल (फिरोजाबाद)

कनोजिया, डा० जी० एल० (खीरी)

कनोडिया, श्री महेश (पाटन)

कमल नाथ, श्री (छिन्दवाड़ा)

कमल, श्री श्याम लाल (बस्ती)

करुणाकरन्दुल्ला, श्रीमती कमला कुमारी (भद्राचलम)

कर्हाडोले, श्री जेड० एम० (मालेगांव)

कांशीराम, श्री (इटावा)

कापसे, श्री राम (ठाणे)

कामत, श्री गुरुदास (मुम्बई उत्तरपूर्व)

कामसन, प्रो० एम० (बाह्य मणिपुर)

काम्बले, श्री अरविन्द तुलसीराम (उस्मानाबाद)
कालकादास, श्री (करोलबाग)
कालिया पेरुमल, श्री पी० पी० (कुड्डालूर)
काले, श्री शंकर राव दे० (कोपरगांव)
कास्वां, श्री राम सिंह (चूरू)
कासु, श्री वेंकट कृष्ण रेड्डी (नरसारावपेट)
कुडुमुला, कुमारी पद्मश्री (नेल्लोर)
कुन्जी लाल, श्री (सवाई माधोपुर)
कुप्पु स्वामी, श्री सी० के० (कोयम्बटूर)
कुमार, श्री नीतीश (बाढ़)
कुमार, श्री वी० धनंजय (मंगलौर)
कुमारमंगलम, श्री रंगराजन (सलेम)
कुरियन, प्रो० पी० जे० (मवेलीकारा)
कुली, श्री बालिन (लखीमपुर)
कुसमरिया, श्री रामकृष्ण (दमोह)
कृष्ण कुमार, श्री एस० (क्विलोन)
कृष्ण स्वामी, श्री एम० (वन्डिवाशी)
कृष्णेन्द्र कौर (दीपा), श्रीमती (भरतपुर)
केवल सिंह, श्री (भटिंडा)
केशरी लाल, श्री (घाटमपुर)
केनिधी, डा० विश्वानाथम (श्रीकाकुलम)
कैरों, श्री सुरेन्द्र सिंह (तरणतारण)
कोंताला, श्री रामकृष्ण (अनकापल्ली)
कोरी, श्री गया प्रसाद (जालौन)
कोली, श्री गंगा राम (ब्याना)
कौल, श्रीमती शीला (राय बरेली)
क्षीरसागर, श्रीमती केसरबाई सोनाजी (बीड़)

ख

खण्डेलवाल, श्री ताराचन्द (चांदनी चौक)
खन्ना, श्री राजेश (नई दिल्ली)
खनोरिया, मेजर डी० डी० (कांगड़ा)
खण्डूरी, मेजर जनरल (रिटायर्ड) भुवन चन्द्र (गढ़वाल)
खां, श्री असलम शेर (बेतुल)
खां, श्री गुलाम मोहम्मद (मुरादाबाद)
खां, श्री सुखेन्दु (विशनुपुर)
खुराना, श्री मदन लाल (दक्षिण दिल्ली)
खुर्शीद, श्री सलमान (फर्रुखाबाद)

ग

गंगवार, डा० परशुराम (पीलीभीत)
गंगवार, श्री संतोष कुमार (बरेली)
गगोई, श्री तरुण (कलियाबोर)
गजपति, श्री गोपी नाथ (बरहामपुर)
गहलोत, श्री अशोक (जोधपुर)
गामीत, श्री छीतूभाई (माण्डवी)
गायकवाड, श्री उदयसिंह राव (कोल्हापुर)
गालिब, श्री गुरचरण सिंह (लुधियाना)
गावीत, श्री माणिकराव होडल्या (नन्दरबार)
गिरि, श्री सुधीर (कोन्टाई)
गिरिजा देवी, श्रीमती (महाराजगंज)
गिरियप्पा, श्री सी० पी० मुदाल (चित्रदुर्ग)
गुंडेवार, श्री विलासराव नागनाथराव (हिंगोली)
गुडाडिन्नी, श्री बी० के० (बीजापुर)
गुप्त, श्री इन्द्रजीत (मिदनापुर)
गोपालन, श्रीमती सुशीला (चिरायिंकिल)
गोमांगो, श्री गिरिधर (कोरापुट)
गोहिल, डा० महावीर सिंह हरिसिंह जी (भावनगर)
गौड, प्रो० के० वेंकटगिरि (बंगलौर दक्षिण)
गौतम, श्रीमती शीला (अलीगढ़)

घ

घंगारे, श्री रामचन्द्र मरोतराव (वर्धा)

घाटोवार, श्री पबन सिंह (डिब्रूगढ़)

च

चक्रवर्ती, प्रो० सुशान्त (हावड़ा)

चटर्जी, श्री निर्मल कान्ति (दमदम)

चटर्जी, श्री सोमनाथ (बोलपुर)

चन्द्रशेखर, श्री (बलिया)

चन्द्रशेखर, श्रीमती मारगथम (श्री पेरुम्बुदूर)

चन्द्राकर, श्री चन्दूलाल (दुर्ग)

चव्हाण, श्री पृथ्वीराज डी (कराड)

चाक्को, श्री पी०सी० (त्रिचूर)

चार्ल्स, श्री ए० (त्रिवेन्द्रम)

चालिहा, श्री किरिप (गुवाहाटी)

चावड़ा, श्री ईश्वरभाई खोडाभाई (आनन्द)

चावड़ा, श्री हरिसिंह (बनासकांठा)

चिखलिया, श्रीमती भावना (जूनागढ़)

चिदम्बरम, श्री पी० (शिवगंगा)

चिन्ता मोहन, डा० (तिरुपति)

चेन्नितला, श्री रमेश (कोट्टायम)

चौधरी, श्री ए० बी० ए० गनी खां (माल्दा)

चौधरी, श्री कमल (होशियारपुर)

चौधरी, डा० के० बी० आर० (राजामुन्दरी)

चौधरी, श्री नारायण सिंह (हिसार)

चौधरी, श्री पंकज (महाराजगंज)

चौधरी, श्री राम टहल (रांची)

चौधरी, श्री राम प्रकाश (अंबाला)

चौधरी, श्री रुद्रसेन

चौधरी, श्री लोकनाथ (जगतसिंहपुर)

चौधरी, श्रीमती संतोष (फिल्लौर)

चौधरी, श्री सैफुद्दीन (कटवा)

चौरे, श्री बापू हरि (धूले)

चौहान, श्री चेतन पी० एस० (अमरोहा)

चौहान, श्री शिवराज सिंह (विदिशा)

छ

छटवाल, श्री सरताज सिंह (होशंगाबाद)

छोटे लाल, श्री (मोहनलाल गंज)

ज

जंगबीर सिंह, श्री (भिवानी)

जटिया, श्री सत्यनारायण (उज्जैन)

जनार्दनन, श्री एम० आर० कादम्बूर (तिरुनेलवेली)

जय प्रकाश, श्री (हरदोई)

जयमोहन, श्री ए० (तिरुपत्तूर)

जसवंत सिंह, श्री (चित्तौड़गढ़)

जांगड़े, श्री खेलन राम (बिलासपुर)

जाखड़, श्री बलराम (सीकर)

जाटव, श्री बारे लाल (मुरैना)

जाफर शरीफ, श्री सी० के० (बंगलौर उत्तर)

जावाली, डा० बी० जी० (गुलबर्गा)

जायनल अबेदिन, श्री (जंगीपुर)

जीवरत्नम, श्री आर० (अर्कोनम)

जैना, श्री श्रीकान्त (कटक)

जेस्वाणी, डा० खुशीराम डुंगरोमल (खेड़ा)

जोशी, श्री अन्ना (पुणे)

जोशी, श्री दाऊ दयाल (कोटा)

झ

झा, श्री भोगेन्द्र (मधुबनी)

झिकराम, श्री मोहनलाल (मांडला)

ट

टंडेल, श्री डी० जे० (दमन और दीव)

टाईटलर, श्री जगदीश (दिल्ली सदर)

टिंडिवनम, श्री के० राममूर्ति (टिंडिवनम)

टोपीवाला, श्रीमती दीपिका एच० (बड़ौदा)

टोपे, श्री अंकुशराव (जालना)

ठ

ठाकुर, श्री गाभाजी मंगाजी (कपड़वंज)

ठाकुर, श्री महेन्द्र कुमार सिंह (खंडवा)

ड

डामोर, श्री सोमजी भाई (दोहद)

डेनिस, श्री एन० (नागरकोइल)

डेका, श्री प्रबीन (मंगलदाई)

डेलकर, श्री मोहन एस० (दादरा और नगर हवेली)

डोम, डा० राम चन्द्र (बीरभूम)

त

तंग्काबालु, श्री के० वी० (धर्मपुरी)

तारा सिंह, श्री (कुरुक्षेत्र)

तीरकी, श्री पीयूष (अलीपुरद्वार)

तेजनारायण सिंह, श्री (बक्सर)

तोपदार, श्री तरित बरण (बैरकपुर)

तोपनो, कुमारी फ्रिडा (सुन्दरगढ़)

तोमर, डा० रमेशचन्द्र (हापुड़)

त्रिपाठी, श्री प्रकाश नारायण (बांदा)

त्रिपाठी, श्री ब्रज किशोर (पुरी)

त्रिपाठी, श्री लक्ष्मीनारायण मणि (कैसरगंज)

त्रिवेदी, श्री अरविन्द (साबरकंठा)

थ

थामस, प्रो० के० वी० (एरणाकुलम)

थामस, श्री पी० सी० (मुवत्तुपुजा)

थुंगन, श्री पी० के० (अरुणाचल पश्चिम)

थोरात, श्री संदीपन भगवान (पंढरपुर)

द

दत्त, श्री अमल (डायमंड हार्बर)

दत्त, श्री सुनील (मुम्बई-उत्तर पश्चिम)

दलबीर सिंह, श्री (शहडोल)

दादाहूर, श्री गुरुचरण सिंह (संगरूर)

दास, श्री अनादि चरण (जाजपुर)

दास, श्री जितेन्द्र नाथ (जलपाईगुड़ी)

दास, श्री द्वारकानाथ (करीमगंज)

दास, श्री राम सुन्दर (हाजीपुर)

दिग्विजय सिंह, श्री (राजगढ़)

दिघे, श्री शरद (मुम्बई-उत्तर मध्य)

दीक्षित, श्री श्रीश चन्द्र (वाराणसी)

दीवान, श्री पवन (महासमुन्द)

दुबे, श्रीमती सरोज (इलाहाबाद)

देब, श्री संतोष मोहन (त्रिपुरा-पश्चिम)

देवगौड़ा, श्री एच० डी० (हसन)

देवरा, श्री मुरली (मुम्बई-दक्षिण)

देवराजन, श्री बी० (रसिपुरम)

देवी, श्रीमती विभू कुमारी (त्रिपुरा-पूर्व)

देशमुख, श्री अनन्तराव (वाशिम)

देशमुख, श्री अशोक आनन्दराव (परभनी)

देशमुख, श्री चन्दूभाई (भड़ोच)

द्रोण, श्री जगत वीर सिंह (कानपुर)

ध

धर्मभिक्षम, श्री (नालगोंडा)

धूमल, प्रो० प्रेम (हमीरपुर)

न

नंदी, श्री येल्लैया (सिद्दीपेट)

नवले, श्री विदुरा विठोबा (खेड़)

नाईक, श्री राम (मुम्बई उत्तर)

नायक, श्री ए० वेंकटेश (रायचूर)

नायक, श्री जी० देवराय (कनारा)

नायक, श्री मृत्यंजय (फूलबनी)

नायक, श्री सुभाष चन्द्र (कालाहांडी)

नायकर, श्री डी० के० (धारवाड़ उत्तर)

नारायणन, श्री पी० जी० (गोबिचेट्टिपालयम)

निकाम, श्री गोविन्दराव (रत्नागिरी)

नेताम, श्री अरविन्द (कांकेर)

न्यामगौड, श्री सिद्दप्पा भीमप्पा (बागलकोट)

प

पांडियन, श्री डी० (मद्रास-उत्तर)

पंवार, श्री हरपाल (केराना)

पटनायक, श्री शरत चन्द्र (बोलंगीर)

पटनायक, श्री शिवाजी (भुवनेश्वर)

पटेल, डा० अमृतलाल कालिदास (मेहसाना)

पटेल, श्री उत्तमभाई हारजीभाई (बलसाड)

पटेल, श्री चन्द्रेश (जामनगर)

पटेल, श्री प्रफुल (भंडारा)

पटेल, श्री वृशिण (सीवान)

पटेल, श्री भीमसिंह (रीवा)

पटेल, श्री रामपूजन (फूलपुर)

पटेल, श्री श्रवण कुमार (जबलपुर)

पटेल, श्री सोमाभाई (सुरेन्द्रनगर)

पटेल, श्री हरिभाई (पोरबन्दर)

पटेल, श्री हरिलाल ननजी (कच्छ)

डा० (श्रीमती) पद्मा (नागापट्टीनम)

पवार, डा० बसंत (नासिक)

पवार, श्री शरद (बारामती)

पांजा, श्री अजित (कलकत्ता उत्तर-पूर्व)

पाटिल, श्री यशवंतराव (अहमदनगर)

पाटिल, श्री शिवराज वी० (लातूर)

पाटीदार, श्री रामेश्वर (खारगोन)

पाटील, श्री अन्वरी बसवराज (कोप्पल)

पाटील, श्री उत्तमराव देवराव (यवतमाल)

पाटील, श्री प्रकाश बी० (सांगली)

पाटील, श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह (अमरावती)

पाटील, श्री विजय एन० (इरंडोल)

पाटील, श्रीमती सूर्यकान्ता (नान्देड़)

पाल (साहुबाद)

पाठक, श्री हरिन (अहमदाबाद)

पाणिग्रही, श्री श्रीबल्लभ (देवगढ़)

पाण्डेय, डा० लक्ष्मीनारायण (मंदसौर)

पात्र, डा० कार्तिकेश्वर (बालासोर)

पायलट, श्री राजेश (दौसा)

पाल, डा० देवी प्रसाद (कलकत्ता उत्तर-पश्चिम)

पाल, श्री रूपचन्द (हुगली)

पालाचोला, श्री वी० आर० नायडू (खम्मम)

पासवान, श्री छेदी (सासाराम)

पासवान, श्री राम विलास (रोसेड़ा)

पासवान, श्री सुकदेव (अररिया)

पासी, श्री बलराज (नैनीताल)

पुरकायस्थ, श्री कबीन्द्र (सिल्चर)

पूसापति, श्री आनन्दगजपति राजू (बोब्बिली)

पेरूमान, डा० पी० वल्लल (चिदम्बरम)

पोतदुखे, श्री शांताराम (चन्द्रपुर)

प्रकाश, श्री शशि (चैल)

प्रधानी, श्री के० (नवरंगपुर)

प्रभु, श्री आर० (नीलगिरिस)

प्रभु झांट्ये, श्री हरीश नारायण (पणजी)

प्रमाणिक, श्री राधिका रंजन (मथुरापुर)

प्रसाद, श्री वी० श्रीनिवास (चामराज नगर)

प्रसाद, श्री हरि केवल (सलेमपुर)

प्रेम, श्री बी० एल० शर्मा (पूर्व दिल्ली)

प्रेमी, श्री मंगलराम (बिजनौर)

फ

फर्नान्डीज, श्री ओस्कार (उडीपी)

फर्नान्डीज, श्री जार्ज (मुजफ्फरपुर)

फातमी, श्री मोहम्मद अली अशरफ (दरभंगा)

फारूक, श्री एम० ओ० एच० (पांडिचेरी)

फुंडकर, श्री पांडुरंग पुंडलिक (अकोला)

फैलीरो, श्री एडुआर्डो (मारमागाओ)

ब

बंगारू, श्री दत्तात्रेय (सिकन्दराबाद)
बंसल, श्री पवन कुमार (चंडीगढ़)
बनर्जी, कुमारी ममता (कलकत्ता-दक्षिण)
बरार, श्री जगमीत सिंह (फरीदकोट)
बर्मन, श्री उद्धव (बारपेटा)
बर्मन, श्री पलास (बलूरघाट)
बसु, श्री अनिल (आरामबाग)
बसु, श्री चित्त (बारसाट)
बाला, डा० असीम (नवद्वीप)
बालयोगी, श्री जी० एम० सी० (अमालपुरम)
बालियान, श्री नरेश कुमार (मुजफ्फर नगर)
बीरबल, श्री (गंगानगर)
बूटासिंह, श्री (जालोर)
बैरवा, श्री राम नारायण (टोंक)
बैठा, श्री महेन्द्र (बाहा)
ब्रह्मो चौधरी, श्री सत्येन्द्रनाथ (कोकराझार)

भ

भक्त, श्री मनोरंजन (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह)
भगत, श्री विश्वेश्वर (बालाघाट)
भट्टाचार्य, श्री मानी (बरहामपुर)
भट्टाचार्य, श्रीमती मालिनी (जादवपुर)
भडाना, श्री अवतार सिंह (फरीदाबाद)
भण्डारी, श्रीमती दिल कुमारी (सिक्किम)
भाग्ये गोवर्धन, श्री (मयूरभंज)
भाटिया, श्री रघुनन्दन लाल (अमृतसर)
भारद्वाज, श्री परसराम (सारंगढ़)
भार्गव, श्री गिरधारी लाल (जयपुर)
भूरिया, श्री दिलीप सिंह (झाबुआ)
भोंसले, श्री तेजसिंह राव (रामटेक)
भोंसले, श्री प्रतापराव बी० (सतारा)
भोई, डा० कृपासिंधु (सम्बलपुर)

म

मंजय लाल, श्री (समस्तीपुर)
मंडल, श्री ब्रह्मानन्द (मुंगेर)
मंडल, श्री सनत कुमार (जयनगर)
मंडल, श्री सूरज (गोड्डा)
मधुकर, श्री कमला मिश्र (मोतिहारी)
मनफूल सिंह, श्री (बीकानेर)
मरबनिआंग, श्री पीटर जी० (शिलांग)
मरन्डी, श्री कृष्ण (सिंहभूम)
मरान्डी, श्री साईमन (राजमहल)
मलिक, श्री धर्मपाल सिंह (सोनीपत)
मलिक, श्री पूर्ण चन्द्र (दुर्गापुर)
मल्लिकार्जुन, श्री (महबूब नगर)
मल्लिकारजुनय्या, श्री एस० (तुमकुर)
मल्लू, डा० आर० (नगर कुरनूल)
मसूद, श्री रशीद (सहारनपुर)
महतो, श्री बीर सिंह (पुरूलिया)
महतो, श्री राजकिशोर (गिरिडीह)
महतो, श्री शैलेन्द्र (जमशेदपुर)
महाजन, श्रीमती सुमित्रा (इन्दौर)
महेन्द्र कुमारी, श्रीमती (अलवर)
माडे गोडा, श्री जी० (माण्डया)
माणे, श्री राजाराम शंकरराव (इचलकरंजी)
माथुर, श्री शिवचरण (भीलवाड़ा)
मिर्धा, श्री नाथूराम (नागौर)
मिर्धा, श्री रामनिवास (बाड़मेर)
मिश्र, श्री जनार्दन (सीतापुर)
मिश्र, श्री राम नगीना (पडरौना)
मिश्र, श्री श्याम बिहारी (बिल्हौर)
मिश्र, श्री सत्यगोपाल (तामलुक)
मीणा, श्री भेरू लाल (सलूम्बर)
मुखर्जी, श्रीमती गीता (पंसकुरा)
मुखर्जी, श्री सुब्रत (रायगंज)

मुखोपाध्याय, श्री अजय (कृष्णनगर)

मुजाहिद, श्री बी० एम० (धारवाड़-दक्षिण)

मुण्डा, श्री कड़िया (खूंटी)

मुत्तेमवार, श्री विलास (चिमूर)

मुनियप्पा, श्री के० एच० (कोलार)

मुण्डा, श्री गोविन्द चन्द्र (क्योंझर)

मुरलीधरन, श्री के० (कालीकट)

मुरुगेसन, डा० एन० (करूर)

मुरमु, श्री रूप चन्द्र (झाड़ग्राम)

मूर्ति, श्री एम० वी० चन्द्रशेखर (कनकपुरा)

मूर्ति, श्री एम०वी०वी०एस० (विशाखापटनम)

मेघे, श्री दत्ता (नागपुर)

मेहता, श्री भुवनेश्वर प्रसाद (हजारीबाग)

मैथ्यू, श्री पाला के० एम० (इदुक्की)

मोल्लाह, श्री हन्नान (उलुबेरिया)

मोहन सिंह, श्री (फिरोजपुर)

मौर्य, श्री आनन्द रत्न (चंदोली)

य

यादव, श्री अर्जुन सिंह (जौनपुर)

यादव, श्री चन्द्रजीत (आजमगढ़)

यादव, श्री चुन चुन प्रसाद (भागलपुर)

यादव, श्री छोटे सिंह (कन्नोज)

यादव, श्री देवेन्द्र प्रसाद (झंझारपुर)

यादव, श्री राम कृपाल (पटना)

यादव, श्री रामलखन सिंह (आरा)

यादव, श्री राम शरण सिंह (खगरिया)

यादव, श्री विजय कुमार (नालन्दा)

यादव, डा० एस० पी० सिंह (सम्भल)

यादव, श्री सत्यपाल सिंह (शाहजहांपुर)

यादव, श्री सूर्यनारायण (सहरसा)

यादव, श्री शरद (मधेपुरा)

युमनाम, श्री याइमा सिंह (आतंरिक मणिपुर)

र

रंगपी, डा० जयन्त (स्वशासी जिला)

रथ, श्री रामचन्द्र (आसका)

राजनारायण, श्री (बासगांव)

राजरवि वर्मा, श्री बी० (पोल्लाची)

राजू, श्री भू० विजय कुमार (नरसापुर)

राजुलू, डा० आर० के० सी० (शिवकासी)

राजे, श्रीमती वसुन्धरा (झालावाड़)

राजेन्द्र कुमार, श्री एस० एस० आर (चिंगलपट्टू)

राजेश कुमार, श्री (गया)

राजेश्वरन, डा० वी० (रामनाथपुरम)

राजेश्वरी, श्रीमती बासवा (बेल्लारी)

राठवा, श्री एन० जे० (छोटा उदयपुर)

राणा, श्री काशीराम (सूरत)

राम अवध, श्री (अकबरपुर)

राम, श्री प्रेमचन्द्र (नवादा)

रामचन्द्रन, श्री मुल्लापल्ली (कन्नानोर)

रामदेव राम, श्री (पलामू)

राम बदल, श्री (लालगंज)

राम बाबू, श्री ए० जी० एस० (मदुरै)

राममूर्ति, श्री के० (कृष्णगिरि)

राम सागर, श्री (बाराबंकी)

राम सिंह, श्री (हरिद्वार)

रामासामी, श्री राजगोपाल नायडू (पेरियाकुलम)

रामय्या, श्री बोल्ला बुल्ली (एलूरु)

राय, श्री एम० रमन्ना (कासरगोड़)

राय, श्री कल्पनाथ (घोसी)

राय, श्री नवल किशोर (सीतामढ़ी)

राय, श्री रवि (केन्द्रपारा)

राय, श्री रामनिहोर (राबर्ट्सगंज)

राय, श्री लाल बाबू (छपरा)

राय, डा० सुधीर (बर्दवान)

राय, श्री हाराधन (आसनसोल)

रायचौधरी, श्री सुदर्शन (सीरमपुर)

रायप्रधान, श्री अमर (कूचबिहार)

राव, श्री डी० वेंकटेश्वर (बापतला)

राव, श्री जे० चोक्का (करीमनगर)

राव, श्री पी० वी० नरसिंह (नन्दयाल)

राव, राम सिंह कर्नल (महेन्द्रगढ़)

राव, श्री वी० कृष्ण (चिक्कबल्लापुर)

रावत, श्री प्रभु लाल (बांसवाड़ा)

रावत, श्री भगवान शंकर (आगरा)

रावत, प्रो० रासा सिंह (अजमेर)

रावत, डा० लाल बहादुर (हाथरस)

रावले, श्री मोहन (मुम्बई-दक्षिण मध्य)

राही, श्री राम लाल (मिश्रिख)

रेड्डय्या यादव, श्री के० पी० (मछलीपटनम)

रेड्डी, श्री आर० सुरेन्द्र (वारंगल)

रेड्डी, श्री ए० इन्द्रकरन (आदिलाबाद)

रेड्डी, श्री ए० वेंकट (अनन्तपुर)

रेड्डी, श्री एम० बागा (मेडक)

रेड्डी, श्री जी० गंगा (निजामाबाद)

रेड्डी, श्री मगुन्टा सुब्बारामा (ओंगोले)

रेड्डी, श्री एम० जी० (चित्तूर)

रेड्डी, श्री बी० एन० (मिरयालगुडा)

रेड्डी, श्री के० विजय भास्कर (करनूल)

रेड्डी, श्री वाई० एस० राजशेखर (कुडप्पा)

रोशन लाल, श्री (खुर्जा)

ल

लक्ष्मणन, प्रो० सावित्री (मुकुन्दपुरम)

लालजान बाशा, श्री एस० एम० (गुन्टूर)

लोढा, श्री गुमान मल (पाली)

व

वर्मा, श्री उपेन्द्र नाथ (चतरा)

वर्मा, श्री फूलचन्द (शाजापुर)

वर्मा, श्री भवानीलाल (जांजगीर)

वर्मा, श्री रतिलाल (धन्धुका)

वर्मा, प्रो० रीता (धनबाद)

वर्मा, कु० विमला (सिवनी)

वर्मा, श्री शिव चरण (मछलीशहर)

वर्मा, श्री सुशील चन्द्र (भोपाल)

वाजपेयी, श्री अटल बिहारी (लखनऊ)

वाघेला, श्री शंकर सिंह (गोधरा)

वाड्डे, श्री शोभनाद्रीश्वर राव (विजयवाड़ा)

वान्डायार, श्री के० तुलसिऐया (तंजावुर)

वासनिक, श्री मुकुल बालकृष्ण (बुलढाना)

विजयराघवन, श्री वी० एस० (पालघाट)

विलियम्स, मेजर जनरल आर० जी० (नाम निर्देशित आंग्ल भारतीय)

वीरप्पा, श्री रामचन्द्र (बीदर)

वीरेन्द्र सिंह, श्री (मिर्जापुर)

वेकारिया, श्री शिवलाल नागजी भाई (राजकोट)

व्यास, डा० गिरिजा (उदयपुर)

श

शंकरानन्द, श्री बी० (चिकोडी)

शर्मा, कैप्टन सतीश कुमार (अमेठी)

शर्मा, श्री चिरंजी लाल (करनाल)

शर्मा, श्री जीवन (अल्मोड़ा)

शर्मा, श्री राजेन्द्र कुमार (रामपुर)

शर्मा, श्री विश्वनाथ (हमीरपुर)

शाक्य, डा० महादीपक सिंह (एटा)

शास्त्री, आचार्य विश्वनाथ दास (सुल्तानपुर)

शास्त्री, श्री राजनाथ सोनकर (सैदपुर)

शास्त्री, श्री विश्वनाथ (गाजीपुर)

शाह, श्री मानवेन्द्र (टिहरी-गढ़वाल)

शिंगडा, श्री डी० बी० (दहानू)

शिवप्पा, श्री के० जी० (शिमोगा)

शुक्ल, श्री अष्टभुजा प्रसाद (खलीलाबाद)
शुक्ल, श्री विद्याचरण (रायपुर)
शैलजा, कुमारी (सिरसा)
श्रीधरण, डा० राजगोपालन (मद्रास दक्षिण)
श्रीनिवासन, श्री सी० (डिण्डिगुल)

स

संगमा, श्री पूर्णो ए० (तुरा)
संघाणी, श्री दिलीप भाई (अमरेली)
सईद, श्री पी० एम० (लक्षद्वीप)
सज्जन कुमार, (बाह्य दिल्ली)
सनुबार्ला, श्री विजयराम राजू (पार्वतीपुरम)
सरस्वती, श्री योगानन्द (भिंड)
सरोदे, डा० गुणवन्त रामभाऊ (जलगांव)
सलीम, श्री मुहम्मद यूनुस (कटिहार)
साक्षी, जी० डा० (मथुरा)
साबुल, श्री धर्मण्णा मोडय्या (शोलापुर)
सानीपल्ली, श्री गंगाधरा (हिन्दुपुर)
साय, श्री ए० प्रताप (राजमपेट)
सावन्त, श्री सुधीर (राजापुर)
साबे, श्री मोरेश्वर (औरंगाबाद)
साही, श्रीमती कृष्णा (बेगूसराय)
सिंगला, श्री संतराम (पटियाला)
सिंधिया, श्रीमती विजयराजे (गुना)
सिंधिया, श्री माधवराव (ग्वालियर)
सिदनाल, श्री एस० बी० (बेलगांव)
सिद्धार्थ, श्रीमती डी० के० तारादेवी (चिकमगलूर)
सिल्वेरा, डा० सी० (मिजोरम)
सिंह, श्री अभय प्रताप (प्रतापगढ़)
सिंह, श्री अर्जुन (सतना)
सिंह, श्री उदय प्रताप (मैनपुरी)
सिंह, श्री खेलसाय (सरगुजा)
सिंह, डा० छत्रपाल (बुलन्दशहर)
सिंह, श्री देवी बक्स (उन्नाव)
सिंह, कु० पुष्पा देवी (रायगढ़)
सिंह, श्री प्रताप (बांका)
सिंह, श्री बृजभूषण शरण (गोण्डा)
सिंह, श्री मोतीलाल (सीधी)
सिंह, श्री मोहन (देवरिया)
सिंह, श्री राजवीर (आंवला)
सिंह, श्री राम नरेश (औरंगाबाद)
सिंह, श्री रामपाल (डुमरियागंज)
सिंह, श्री राम प्रसाद (विक्रमगंज)
सिंह, श्री रामाश्रय प्रसाद (जहानाबाद)
सिंह, श्री विश्वनाथ [illegible] (फतेहपुर)
सिंह, श्री शिवचरण (वैशाली)
सिंह, श्री शिवेन्द्र बहादुर (राजनंदगांव)
सिंह, श्री सत्यदेव (बलरामपुर)
सिंह, श्री सूर्य नारायण (बलिया)
सिंह, श्री हरि किशोर (शिवहर)
सिंहदेव, श्री के० पी० (ढेंकानाल)
सुखराम, श्री (मंडी)
सुखबंस कौर, श्रीमती (गुरदासपुर)
सुन्दरराज, श्री एन० (पुडुक्कोट्टाई)
सुब्बाराव, श्री थोटा (काकिनाडा)
सुर, श्री मनोरंजन (बसीरहाट)
सुरेश, श्री कोडीकुनील (अडूर)
सुल्तानपुरी, श्री कृष्ण दत्त (शिमला)
सेट, श्री इब्राहीम सुलेमान (पोन्नानी)
सेठी, श्री अर्जुन चरण (भद्रक)
सैकिया, श्री मुहीराम (नौगोंग)
सैयद, श्री शाहाबुद्दीन (किशनगंज)
सोडी, श्री मनकूराम (बस्तर)

सोरेन, श्री शिबू (दुमका)
सोलंकी, श्री सूरजभानु (धार)
सोन्द्रम, डा० (श्रीमती) के० एस० (तिरुचेंगोड़)
स्वामी, श्री चिन्मयानन्द (बदायूं)
स्वामी, श्री जी० वेंकट (पेड्डापल्ली)
स्वामी, श्री सुरेशानन्द (जलेसर)

ह

हरचन्द सिंह, श्री (रोपड़)
हुड्डा, श्री भूपेन्द्र सिंह (रोहतक)
हान्डिक, श्री विजय कृष्ण (जोरहाट)
हुसैन, श्री सैयद मसूदल (मुर्शिदाबाद)

लोक सभा

अध्यक्ष

श्री शिवराज वी० पाटिल

उपाध्यक्ष

श्री एस० मल्लिकारजुनय्या

सभापति तालिका

श्री शरद दिघे

श्रीमती मालिनी भट्टाचार्य

श्री तारा सिंह

श्री राम नाईक

श्री पीटर जी० मरबनिआंग

महासचिव

श्री सी०के० जैन

भारत सरकार

मंत्रिमंडल के सदस्य

प्रधानमंत्री तथा कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन; विज्ञान और प्रौद्योगिकी, महासागर विकास, इलैक्ट्रानिकी, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष, रसायन और उर्वरक, ग्रामीण विकास, अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत, विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालयों/विभागों के प्रभारी तथा उद्योग मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार तथा अन्य उन विषयों के प्रभारी, जो मंत्रिमंडल स्तर के किसी अन्य मंत्री अथवा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) को नहीं दिए गए हैं।	श्री पी० वी० नरसिंह राव
मानव संसाधन विकास मंत्री	श्री अर्जुन सिंह
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री	श्री बी० शंकरानन्द
वित्त मंत्री	श्री मनमोहन सिंह
गृह मंत्री	श्री एस० बी० चव्हाण
रक्षा मंत्री	श्री शरद पवार
कृषि मंत्री	श्री बलराम जाखड़
रेल मंत्री	श्री सी० के० जाफर शरीफ
नागर विमानन और पर्यटन मंत्री	श्री गुलाम नबी आजाद
नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री	श्री ए० के० एन्टनी
विदेश मंत्री	श्री दिनेश सिंह
शहरी विकास मंत्री	श्रीमती शीला कौल
कल्याण मंत्री	श्री सीताराम केसरी
जल संसाधन मंत्री और संसदीय कार्य मंत्री	श्री विद्याचरण शुक्ल
वाणिज्य मंत्री	श्री प्रणव मुखर्जी
विद्युत मंत्री	श्री एन० के० पी० साल्वे

राज्य मंत्री
(स्वतंत्र प्रभार)

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)	श्री अजित कुमार पांजा
खान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)	श्री बलराम सिंह यादव
योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)	श्री गिरिधर गोमांगो
जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)	श्री जगदीश टाईटलर
सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)	श्री के० पी० सिंह देव

खाद्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)	श्री कल्पनाथ राय
पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)	श्री कमल नाथ
श्रम मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)	श्री पी० ए० संगमा
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)	कैप्टन सतीश कुमार शर्मा
इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)	श्री संतोष मोहन देव
संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)	श्री सुख राम
खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)	श्री तरुण गगोई
वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)	श्री जी० वेंकट स्वामी

राज्य मंत्री

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री	डा० अबरार अहमद
कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री अरविन्द नेताम
मानव संसाधन विकास मंत्रालय (महिला एवं बाल विकास विभाग) में राज्य मंत्री	श्रीमती बासवा राजेश्वरी
प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री	श्री भुवनेश चतुर्वेदी
रसायन तथा उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री एडुआर्डो फैलीरो
विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री एच० आर० भारद्वाज
रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री के० सी० लेंका
कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री के० वी० तंगकाबालू
नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा वाणिज्य मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री कमालुद्दीन अहमद
उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग और भारी उद्योग विभाग) में राज्य मंत्री	श्रीमती कृष्णा साही
उद्योग मंत्रालय (लघु उद्योग तथा कृषि और ग्रामीण उद्योग विभाग) में राज्य मंत्री	श्री एम० अरुणाचलम
वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री एम० वी० चन्द्रशेखर मूर्ति
रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री मल्लिकार्जुन
कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्रीमती मार्गरेट अल्वा
मानव संसाधन विकास मंत्रालय (युवा कार्य एवं खेल विभाग) में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री मुकुल वासनिक

शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री पी० के० थुंगन
गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री पी० एम० सईद
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय (इलैक्ट्रोनिकी विभाग तथा महासागर विकास विभाग) में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री रंगराजन कुमारमंगलम
विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री पी० वी० रंगय्या नायडू
विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री आर० एल० भाटिया
गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री राजेश पायलट
ग्रामीण विकास मंत्रालय (बंजर भूमि विकास विभाग) में राज्य मंत्री	कर्नल राम सिंह
ग्रामीण विकास मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) में राज्य मंत्री	श्री रामेश्वर ठाकुर
अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री एस० कृष्ण कुमार
विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री सलमान खुर्शीद
नागर विमानन और पर्यटन मंत्रालय (पर्यटन विभाग) में राज्य मंत्री	श्रीमती सुखबंस कौर
ग्रामीण विकास मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) में राज्य मंत्री	श्री उत्तम भाई ह० पटेल

उप मंत्री

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में उप मंत्री	श्री पवन सिंह घाटोवार
गृह मंत्रालय में उप मंत्री	श्री राम लाल राही
मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग एवं संस्कृति विभाग) में उप मंत्री	कुमारी शैलजा

लोक सभा

सोमवार, 22 फरवरी, 1993/3 फाल्गुन, 1914 (शक)

लोक सभा 12.50 म० प० पर समवेत हुई।

(अध्यक्ष महोदय पीठासीन हुए)

राष्ट्रीय गान गाया गया

12.51 म० प०

राष्ट्रपति का अभिभाषण

[अनुवाद]

महासचिव : मैं 22 फरवरी, 1993 को एक साथ समवेत संसद के दोनों सदनों के समक्ष राष्ट्रपति के अभिभाषण की एक प्रति सभा पटल पर रखता हूं।

राष्ट्रपति का अभिभाषण

[हिन्दी]

माननीय सदस्यगण,

संसद के इस अधिवेशन में मैं आपका स्वागत करता हूं।

हमारे सामने आज सबसे महत्वपूर्ण कार्य लोगों के मन में उस विश्वास और साम्प्रदायिक सौहार्द को फिर से स्थापित करना है, जिसे पिछले वर्ष 6 दिसम्बर और उसके तत्काल बाद घटी दुखद घटनाओं के कारण गहरा धक्का लगा है। धर्मनिरपेक्षता और विधि की सर्वोच्च सत्ता जैसी आधारभूत बातों को भी अब खतरा पैदा हो गया है। राजनीतिक दलों, बुद्धिजीवियों, प्रभावशाली नेताओं और अन्य प्रभावी लोगों को इस बढ़ते हुए साम्प्रदायिक कुप्रचार को रोकने के लिए मिलकर विरोध करना चाहिए, ताकि हम राष्ट्र निर्माण के कार्य में लग सकें और अपने आधारभूत मूल्यों को अक्षुण्ण बनाए रख सकें। हमें साम्प्रदायिक सद्भाव की भावना को, जो कि सदैव ही हमारे समाज की विशेषता रही है, और अधिक मजबूत करना होगा।

राम जन्म-भूमि-बाबरी मस्जिद विवाद के मुख्य मुद्दे को संविधान के अनुच्छेद 143 के अधीन उच्चतम न्यायालय को भेजा जा चुका है। सरकार ने भी परिसर की लगभग 68 एकड़ भूमि का अधिग्रहण कर लिया है और सरकार अब राम मंदिर तथा मस्जिद के निर्माण कार्य का संचालन करने के लिए दो पृथक न्यास गठित करने संबंधी कार्यवाई कर रही है। सरकार इस बात का भरसक प्रयास करेगी कि निर्माण कार्य दोनों संबंधित समुदायों की सलाह और सहयोग से और दोनों समुदाय के प्रमुख तथा जिम्मेदार नेताओं की सक्रिय भागीदारी से पूरा किया जाए। सरकार इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए सभी वर्गों के लोगों का समर्थन चाहती है और उनके सहयोग की अपेक्षा रखती है।

जम्मू और कश्मीर में आतंकवादियों को प्रशिक्षण और हथियार देने तथा संचारतंत्र का समर्थन देने में सीमापार के बलों की भूमिका में अभी भी कोई कमी नहीं आई है। अत्यधिक कठिन स्थितियों में कार्य करने की मजबूरी के बावजूद हमारे सुरक्षा बल इस चुनौती का मुकाबला करने का भरसक प्रयास कर रहे हैं। राज्य में आतंकवादियों के कायरतापूर्ण कार्यों, बार-बार बन्द का आह्वान किए जाने और आर्थिक तथा वाणिज्यिक क्रियाकलापों में रुकावट पैदा किए जाने आदि के कारण जम्मू और कश्मीर की जनता को जिस प्रकार की कठिनाई और तंगी का सामना करना पड़ रहा है, सरकार उसके प्रति पूरी तरह से सचेत है। राज्य में कार्रवाई कर रहे सुरक्षा बलों से भी कुछ मामलों में ज्यादती हुई है। इस संबंध में दोषी लोगों को दंडित किये जाने के लिए शीघ्र कार्रवाई की गई है। लोगों की शिकायतों को दूर करने और राजनीतिक प्रक्रिया को पुन: बहाल करने के प्रथम कदम के रूप में राज्य स्तर पर एक बहुदलीय सलाहकार परिषद का गठन किया गया है, ताकि वह परिषद प्रशासन और लोगों के बीच सेतु का कार्य कर सके। इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए जिला स्तर पर समितियां बनाने के भी प्रयास किए जा रहे हैं। अक्तूबर, 1992 में एक संसदीय शिष्टमंडल ने घाटी का दौरा किया। राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बहाली की दिशा में वातावरण तैयार करने के लिए केन्द्रीय गृह मंत्री ने राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ विचार-विमर्श किया है।

पंजाब में लोकतांत्रिक ढंग से निर्वाचित सरकार द्वारा सत्ता संभालने के बाद राज्य के लोगों के जीवन में भारी सुधार हुआ है। अलगाववादी और विघटनकारी ताकतों के खिलाफ स्पष्ट संदेश देने के लिए इन बहादुर लोगों को इसका श्रेय दिया जाना चाहिए। राज्य में लगभग 13 वर्ष के अन्तराल के बाद नगर पालिका के चुनाव हुए हैं और लगभग 9 वर्ष के अन्तराल के बाद पंचायतों के चुनाव सम्पन्न हुए हैं। इन चुनावों से नई उमंग और उत्साह पैदा हुआ है। राज्य के सामाजिक आर्थिक विकास पर नए सिरे से बल दिया जा रहा है। सरकार पंजाब में सभी अनसुलझे मसलों का उचित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान निकालने और राज्य सरकार द्वारा आतंकवाद के खिलाफ किए जा रहे उपायों के लिए उसे सभी प्रकार की सहायता प्रदान करने के लिए वचनबद्ध है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र में कुल मिलाकर स्थिति नियंत्रण में है। इस क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास की गति में, विशेष रूप से रेल, सड़क और दूरसंचार में तेजी लाने के लिए कदम उठाए गए हैं। राज्य सरकारों और पूर्वोत्तर परिषद ने कृषि, बागवानी और मत्स्य पालन आदि के विकास के लिए नए कार्यक्रम शुरू किए हैं। केन्द्र सरकार एक कृषि विश्वविद्यालय और एक प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना कर रही है। विकास के इन सभी कार्यक्रमों में लोगों की भागीदारी पर बल दिया जा रहा है। नागालैण्ड और मेघालय में हाल ही में चुनाव सम्पन्न हुए हैं।

पिछले वर्ष एक अप्रैल को शुरू हुई आठवीं पंचवर्षीय योजना के कार्यान्वयन का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। वर्ष 1991-92 की कीमतों पर कुल निवेश 7 लाख 98 हजार करोड़ रुपये की महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। इस निवेश में से सार्वजनिक क्षेत्र का परिव्यय 4 लाख 34 हजार एक सी करोड़ रुपये होगा। हमारी आर्थिक नीति में हुए परिवर्तनों के अनुसार अब हम निर्देशात्मक योजना की ओर बढ़ रहे हैं।

वर्ष 1992-93 में आर्थिक स्थायित्व के कार्यक्रम और संरचनात्मक सुधारों की प्रक्रिया और अधिक मजबूत हुई है। वर्ष 1991-92 में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 1.2 प्रतिशत थी और वर्ष 1992-93 में यह दर लगभग 4 प्रतिशत होने की आशा है। पिछले वर्ष के गतिरोधों,

औद्योगिक क्षेत्र की अपेक्षाकृत धीमी गति और वित्तीय क्षेत्र की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए यह वृद्धि दर अत्यधिक महत्वपूर्ण है ।

वर्ष 1992-93 में औद्योगिक उत्पादन में अप्रैल से अक्तूबर, 1992 तक की अवधि में 3.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में लगभग एक प्रतिशत की कमी आई थी । इसी प्रकार अप्रैल-दिसम्बर, 1992 की अवधि में निर्यातों में डालर के रूप में लगभग 3.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि पिछले वर्ष इस अवधि में 3.7 प्रतिशत की कमी आई थी । ऋणों की अदायगी के सम्बन्ध में रूस के साथ हाल ही में हुए करार से रूस में परम्परागत बाजारों को किए जाने वाले हमारे निर्यातों को फिर से प्रारम्भ करने में मदद मिलेगी । हमारे पास 5 बिलियन अमरीकी डालर की प्रर्याप्त विदेशी मुद्रा रिजर्व है । मुद्रास्फीति पर नियंत्रण करके सरकार के एक प्रमुख उद्देश्य को पूरा कर लिया गया है, क्योंकि मुद्रास्फीति की वार्षिक दर जो अगस्त, 1991 में 16.7 प्रतिशत तक पहुंच गई थी, जनवरी, 1993 के अन्तिम सप्ताह में घटकर 7 प्रतिशत रह गई है ।

हाल ही में विदेशी मुद्रा संबंधी नियंत्रणों को उदार बनाने के लिए महत्वपूर्ण परिवर्तन किए गए हैं । नई आर्थिक नीति से विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की हमारी कार्यविधि भी काफी उदार हो सकी है । अगस्त, 1991 से जनवरी, 1993 के अंत तक अनुमोदित कुल इक्विटी निवेश 2.3 बिलियन अमरीकी डालर से भी अधिक हो गया है, जो लगभग 35 हजार करोड़ रुपए के मूल्य की परियोजनाओं के लिए पर्याप्त होगा । लगभग 25 करोड़ डालर की विदेशी इक्विटी राशि वाले कई ऐसे अन्य प्रस्ताव भी विचाराधीन हैं, जिससे 7,500 करोड़ रुपए के कुल मूल्य की परियोजनाएं शुरू की जा सकती हैं । इनमें से अधिकांश निवेश प्राथमिकता के क्षेत्रों में है, जैसे : ऊर्जा के क्षेत्र में 24 प्रतिशत, पेट्रोलियम में 26 प्रतिशत, रसायन में लगभग 8 प्रतिशत, खाद्य संसाधन उद्योग में लगभग 12 प्रतिशत और विद्युत उद्योग में 8 प्रतिशत । शेष 22 प्रतिशत परिवहन, टैक्सटाइल, दूरसंचार और औद्योगिक मशीनरी के लिए है । गैर प्राथमिकता वाली उपभोक्ता मद 4 प्रतिशत से कुछ कम है ।

राष्ट्रीय नवीकरण कोष का गठन करके उसे प्रभावी बनाया गया है, जिससे औद्योगिक कामगारों को पुनर्गठन की प्रक्रिया से नुकसान न पहुंचे । नेशनल टेक्सटाइल कारपोरेशन का नवीकरण किया जाना इसका पहला महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, जिसके लिए राष्ट्रीय नवीकरण कोष, कार्यशील पूंजी, पुनः प्रशिक्षण एवं पुनर्वास उपायों तथा स्वैच्छिक सेवा-निवृत्ति स्कीमों के लिए धन मुहैया करायेगा । यह स्कीम बहुत तेजी से प्रगति कर रही है और अब तक लगभग 22,000 कामगारों को इससे लाभ प्राप्त हुआ है ।

सरकार ने सुधार प्रक्रिया से संबंधित सामान्य मुद्दों पर तथा क्षेत्र से संबंधित विशिष्ट मामलों पर श्रमिक प्रतिनिधियों से परामर्श किया है । श्रम राज्य मंत्रियों की बैठक और भारतीय श्रम सम्मेलन में हमारे औद्योगिक संबंध विषयक विधियों को नवीकृत करने के मामले की जांच की गई है । सरकार इन परिवर्तनों को उच्च प्राथमिकता देती है क्योंकि यह आशा की जाती है कि इनसे उत्पादन और उत्पादकता बढ़ेगी, मजदूरों की आय अधिक होगी और औद्योगिक सम्बन्ध सौहार्दपूर्ण होंगे ।

हमारी औद्योगिक अर्थव्यवस्था में लघु उद्योग क्षेत्र का बहुत अधिक महत्व है क्योंकि यह बड़ी मात्रा में रोजगार के अवसर जुटाने और देश में चारों ओर औद्योगिक गतिविधियों को फैलाने

में सक्षम है। वर्ष 1992-93 में लघु क्षेत्र में 129 लाख व्यक्तियों के रोजगार में होने और कुल उत्पादन एक लाख 66 हजार 4 सौ करोड़ रुपए का होने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 4 प्रतिशत की वृद्धि दर को दर्शाता है। औद्योगिक क्षेत्र में काम की धीमी गति को देखते हुए इसे सराहनीय कहा जा सकता है। पूरे उद्योग क्षेत्र में नवीकरण की प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए लघु उद्योग क्षेत्र के निष्पादन में वर्ष 1993-94 के दौरान महत्वपूर्ण सुधार होने की उम्मीद है। लघु यूनिटों की बकाया राशि का अन्य उद्योगों द्वारा तुरन्त भुगतान कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। अब माल प्राप्त करने या सेवाएं प्रदान किए जाने के तीस दिन के भीतर भुगतान कर देना अपेक्षित होता है।

आज पूरे विश्व में यह बात स्वीकार की जा रही है कि किसी भी राष्ट्र की आर्थिक शक्ति उसके उत्पादन की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और कीमत के आधार पर अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में उसकी प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता पर निर्भर होगी। अतः हमारा यह प्रयास होना चाहिए कि हम अगले कुछ वर्षों में डालर के रूप में 15-20 प्रतिशत प्रति वर्ष की सतत निर्यात वृद्धि दर प्राप्त कर लें। सरकारी नीति का मूल आधार सभी सम्भव तरीकों से निर्यात को बढ़ावा देना और उसकी वृद्धि पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली सभी बाधाओं या अवरोधों को दूर करना होगा।

कृषि भारतीय अर्थ-व्यवस्था और उसके जन-जीवन का मुख्य आधार है। चूंकि कृषि अभी भी पूर्णतः वर्षा पर ही निर्भर है, इसलिए वर्ष 1991-92 में खाद्यान्नों का उत्पादन लगभग 90 लाख मीट्रिक टन घट गया, जबकि उस वर्ष 16 करोड़ 70 लाख मीट्रिक टन उत्पादन होने का अनुमान था। इससे सार्वजनिक वितरण प्रणाली और उपभोक्ता कीमतों पर दबाव पड़ा है। लेकिन सीमित मात्रा में गेहूं का आयात करने का निर्णय समय पर ले लिए जाने से उसकी कीमत पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। मई और दिसम्बर, 1992 के बीच कीमतों में वृद्धि 3.6 प्रतिशत तक सीमित रही, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। मुझे यह कहते हुए प्रसन्नता हो रही है कि चालू वर्ष में बिहार के भागों और कुछ अन्य राज्यों के भागों के सिवाय अच्छा मानसून रहा है। इस वर्ष कुल खरीफ खाद्यान्न का उत्पादन 10 करोड़ मीट्रिक टन होने का अनुमान है, जबकि पिछले वर्ष 9.142 करोड़ मीट्रिक टन था। खरीफ के चावल की अधि-प्राप्ति संतोषजनक है और अब तक 90 लाख मीट्रिक टन से अधिक की अधिप्राप्ति की जा चुकी है। रबी की फसल अच्छी होने की संभावना है तथा ऐसी आशा है कि यह लगभग 7 करोड़ 60 लाख से 7 करोड़ 70 लाख मीट्रिक टन तक होगी। खरीफ के तिलहन का उत्पादन लगभग 16 लाख मीट्रिक टन तक हो गया है। अक्तूबर 1992 को समाप्त होने वाले चीनी-वर्ष में हमारा चीनी का उत्पादन 133 लाख मीट्रिक टन था, जिसके फलस्वरूप भारत विश्व का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक देश बन गया। इन सब बातों का कीमतों एवं उपलब्धता पर सराहनीय प्रभाव पड़ा है। कृषि क्षेत्र में देश की उपलब्धियां हमारे कृषकों के कठोर परिश्रम एवं उद्यम का स्पष्ट प्रमाण है।

हमारी कृषि योजनाओं का लक्ष्य केवल आत्मनिर्भर होना नहीं है। हमारी दृष्टि में यह एक ऐसा क्षेत्र है, जो कि अत्यधिक सम्भावना वाला है और किसानों तथा ग्रामीण मजदूरों को अधिक आय देने में सक्षम है। इस क्षेत्र में वृद्धि को प्रोत्साहित करने के लिए अगस्त, 1992 में धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 40 रु० प्रति क्विंटल बढ़ा दिया गया था और अप्रैल, 1993 से प्रारंभ होने वाले बाजार-मौसम के लिए गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 55 रुपए क्विंटल बढ़ा दिया गया है।

गेहूं के लिए प्रति क्विंटल 25 रुपए का बोनस देने का भी निर्णय लिया गया है। गन्ने का न्यूनतम परिनियत मूल्य चीनी-वर्ष 1991-92 के लिए 3 रु० प्रति क्विंटल बढ़ाकर 26 रु० प्रति क्विंटल कर दिया गया था। चीनी वर्ष 1992-93 में इसे और अधिक बढ़ाकर 31 रु० प्रति क्विंटल कर दिया गया है। फोस्फेटिक तथा पोटेशिक उर्वरकों पर से कन्ट्रोल हटा लिए जाने के परिणामतः निःसंदेह थोड़े ही समय में उनकी कीमत बढ़ गई है। इस वृद्धि के प्रभाव को कम करने के लिए सरकार ने एक बार की सहायता के रूप में राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों को 340 करोड़ रुपए दिए हैं। यूरिया की कीमत 10 प्रतिशत घट गई। सरकार ने छोटे एवं सीमान्त किसानों के लिए कृषि के बुनियादी ढांचे का विकास करने के लिए 500 करोड़ रुपए की एकमुश्त सहायता देने की घोषणा की है। इन उपायों और आगामी वर्ष में शुष्क खेती पर अधिक ध्यान दिए जाने के कारण किसानों के हितों की काफी रक्षा होगी।

समाज के कमजोर वर्गों के हितों की रक्षा के लिए सरकार द्वारा कार्यान्वित किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में से एक कार्यक्रम नवीकृत सार्वजनिक वितरण प्रणाली है। सरकार ने इस योजना के तहत निर्धारित जनजातीय, सूखा पीड़ित, रेगिस्तानी एवं निर्दिष्ट पहाड़ी क्षेत्रों के 1700 ब्लाकों में प्रति वर्ष वितरण के लिए 20 लाख मीट्रिक टन अतिरिक्त खाद्यान्न अलग से रखने का निश्चय किया है। जब से नवीकृत सार्वजनिक वितरण प्रणाली प्रारंभ की गई है, तब से इन ब्लाकों में 10,121 नई उचित दर दुकानें खोली गई हैं और 26 लाख अतिरिक्त राशन कार्ड जारी कर दिए गए हैं।

चालू वर्ष के दौरान जिला स्तर पर उपभोक्ता समाधान एजेन्सियों के गठन से संबंधित कार्य आगे बढ़ाया गया और मेघालय राज्य के सिवाय समूचे देश में जिला फोरम बनाए गए हैं। इस समय देश भर में 447 जिला फोरम कार्य कर रहे हैं।

ग्रामीण विकास के क्षेत्र में आठवीं योजना में ग्रामीण बुनियादी आर्थिक ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए चलाए जा रहे अन्य कार्यक्रमों के साथ जवाहर रोजगार योजना को और समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम को एकीकृत करने पर अत्यधिक बल दिया गया है, जिससे ऐसी स्थायी और उत्पादक आर्थिक परिसम्पत्तियां सृजित की जा सकें, जिनसे और अधिक रोजगार के अवसर पैदा हों। सातवीं योजना में आबंटित छः हजार एक सौ उन्नासी करोड़ रुपए और वास्तविक व्यय दस हजार नौ सौ छप्पन करोड़ रुपए की तुलना में आठवीं पंचवर्षीय योजना में ग्रामीण विकास के लिए परिव्यय बढ़ाकर 30,000 करोड़ रुपए कर दिया गया है।

72वां संविधान संशोधन विधेयक 1991, जिसे पिछले सत्र में संसद के दोनों सदनों ने पारित कर दिया है, अधिनियमित किए जाने पर कालिक रूप में नियमित चुनावों को सुनिश्चित करके तथा शक्तियों एवं वित्तीय संसाधनों के पर्याप्त हस्तांतरण द्वारा पंचायती राज संस्थानों को प्रभावी रूप में सुदृढ़ करेगा। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों के लिए पंचायतों में सीटों के आरक्षण की व्यवस्था ग्रामों में उनकी जनसंख्या के अनुपात में की गई है। जिन सीटों के लिए सीधे ही चुनाव कराए जाएंगे, उनमें से एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। इसके अलावा अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीटों में से एक तिहाई सीटें अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए नियत की गई हैं। इस कानून में अध्यक्ष के पद के लिए भी आरक्षण का प्रावधान है। यदि राज्य विधान मंडल चाहे तो पिछड़े वर्गों के लिए भी आरक्षण की व्यवस्था कर सकते हैं।

नगर पालिका शासन को सुदृढ़ बनाने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि नगर पालिकाएं स्थानीय सरकार की प्रभावी इकाई के रूप में कार्य करें, संसद द्वारा 73वां संविधान संशोधन विधेयक, 1991 पारित किया गया है। इसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति, महिलाओं और पिछड़े वर्गों के सदस्यों के लिए आरक्षण का प्रावधान रखा गया है, जैसा कि पंचायत के मामले में पहले किया गया था।

वर्ष 1992-93 के दौरान सरकार ने रोग नियंत्रण कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी है। इन कार्यक्रमों में 2000 ई० तक एड्स नियंत्रण, कुष्ठ रोग के उन्मूलन, जनजाति क्षेत्रों में मलेरिया नियंत्रण और पिछड़े क्षेत्रों में तपेदिक के उपचार के लिए अल्पकालिक केमो-चिकित्सा भी शामिल है। मोतियाबिंद के कारण होने वाले अंधेपन के उपचार के लिए सात राज्यों में गहन कार्यक्रम चलाये जाने का प्रस्ताव है।

1991 की जनगणना के अनुसार जनसंख्या की औसत वार्षिक वृद्धि दर, जो 1971-81 के दशक में 2.22 प्रतिशत तक पहुंच गई थी, घटकर 2.14 प्रतिशत रह गई है। सन् 1990 में प्रति एक हजार की जनसंख्या पर जन्म-दर 30.2 थी, जो 1991 में घटकर 29.3 रह गई है, किन्तु 1.95 प्रतिशत की वर्तमान मूल वृद्धि दर अभी भी बहुत अधिक है। अत: जनसंख्या के स्थिरीकरण को सर्वाधिक राष्ट्रीय प्राथमिकता दी जाएगी।

अगले पांच वर्षों में चार लाख सफाई कर्मचारियों की मुक्ति और उनके पुनर्वास के लिए एक व्यापक कार्यक्रम आरंभ किया गया है। सफाई कर्मचारियों के लिए एक सांविधिक राष्ट्रीय आयोग गठित किया जा रहा है, जो इस कार्यक्रम का प्रभारी होगा।

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वित्त और विकास निगम की प्राधिकृत शेयर पूंजी 57 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 125 करोड़ रुपये कर दी गई है। यह निगम अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों के लाभ के लिए आय उत्पन्न करने वाली स्कीमों के लिए धन प्राप्ति में निरंतर सहायता करता रहेगा। अब तक निगम ने 277.63 करोड़ रुपये मूल्य की 312 स्कीमें मंजूर की हैं, जिसमें से अब तक 54.05 करोड़ रुपये संवितरित किए जा चुके हैं। यह निगम रोजगार और स्वरोजगार हेतु कौशल बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित कर रहा है। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों में साक्षरता और शिक्षा का स्तर बढ़ाने के लिए 48 जिलों में आवासीय विद्यालय स्थापित करने का प्रस्ताव है।

डा० बाबा साहेब अम्बेडकर के शताब्दी समारोह वर्ष में उनकी स्मृति को श्रद्धांजलि के रूप में डा० अम्बेडकर राष्ट्रीय पुरस्कार, डा० अम्बेडकर राष्ट्रीय पुस्तकालय, विश्वविद्यालयों में डा० अम्बेडकर पीठों और डा० अम्बेडकर विदेश शिक्षा वृत्ति जैसी स्कीमों का प्रबन्ध करने के लिए डा० अम्बेडकर फाउन्डेशन की स्थापना की गई है। इसके अतिरिक्त सरकार ने डा० अम्बेडकर की सम्पूर्ण कृतियों और उनके भाषणों के अनुवाद और प्रकाशन का कार्य भी आरम्भ कर दिया है। डा० अम्बेडकर पर एक पूरी फीचर फिल्म का भी निर्माण किया जाएगा।

राष्ट्रीय पिछड़ी जाति वित्त और विकास निगम, जिसकी प्राधिकृत शेयर पूंजी 200 करोड़ रुपये है, वित्त का एक अतिरिक्त जरिया होगा और सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़ी जातियों में तकनीकी और उद्यम कौशलों को बढ़ाने में सहायता प्रदान करेगा।

संसद ने राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम, 1992 पारित कर दिया है, जिसमें इस आयोग को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया है और इसे सिविल न्यायालय की शक्तियां दी गई

हैं। आयोग के मुख्य कार्य होंगे—अल्पसंख्यकों की प्रगति और उनके विकास का मूल्यांकन करना, संवैधानिक सुरक्षा उपायों को मानीटर करना और उन पर सिफारिशें करना, विशिष्ट शिकायतों को देखना, अध्ययन और अनुसंधान करना, उपयुक्त उपायों का सुझाव देना और समय-समय पर सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत करना।

पिछड़ी जातियों के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण से सम्बन्धित मुद्दों पर उच्चतम न्यायालय का निर्णय लागू करने के लिए सरकार ने कारंवाई आरम्भ कर दी है। सरकार सामाजिक रूप से उन्नत व्यक्तियों और वर्गों को, सम्पन्न व्यक्तियों को अन्य पिछड़ी जातियों में से निकालने के लिए सम्बन्धित सामाजिक-आर्थिक मानदंडों को लागू करते हुए आधार विनिर्दिष्ट करेगी। नागरिकों की अन्य पिछड़ी जातियों की सूचियों में शामिल करने के लिए किए गए अनुरोधों और विनिर्दिष्ट जातियों से अधिक अथवा कम जातियों को शामिल करने के सम्बन्ध में की गई शिकायतों पर विचार करने, उनकी जांच करने और उन पर सिफारिश करने के लिए एक स्थाई निकाय गठित करने के लिए अध्यादेश जारी किया गया है। इस निकाय द्वारा दी गई सलाह सामान्यत: सरकार के लिए बाध्यकारी होगी।

अनौपचारिक क्षेत्र में निर्धन महिलाओं की अल्पावधि और मध्यम अवधि के विकासात्मक ऋण की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सरकार का प्रस्ताव गैर सरकारी संगठनों जैसी मध्यवर्तीय एजेन्सियों के माध्यम से एक राष्ट्रीय महिला कोष स्थापित करने का है। सामाजिक सुरक्षा नेट के रूप में किए जा रहे प्रयासों के एक भाग के रूप में इस कार्यक्रम के लिए निधि का आबंटन कर दिया गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 की समीक्षा की गई है, और मई, 1992 में इस नीति में आवश्यक संशोधन किए गए। प्रारम्भिक शिक्षा को सर्वतोमुखी बनाना, सम्पूर्ण साक्षरता प्राप्त करना, शैक्षिक अवसरों की समान सुलभता, महिलाओं की शिक्षा और विकास, माध्यमिक शिक्षा का व्यवसायीकरण, उच्च शिक्षा का एकीकरण, तकनीकी शिक्षा का आधुनिकीकरण और सभी स्तरों पर शिक्षा की गुणवत्ता, विषयवस्तु एवं प्रक्रिया में सुधार करना शिक्षा के क्षेत्र में ऐसे विषय हैं, जो राष्ट्रीय प्रयत्नों में अपना प्राथमिक स्थान बनाए हुए हैं। प्रारम्भिक शिक्षा में हमने अपना ध्यान केवल छात्रों का नाम दर्ज किए जाने से हटाकर इस बात पर केन्द्रित कर दिया है कि उनकी उपस्थिति बनी रहे और शिक्षा का लक्ष्य पूरा हो। संशोधित नीति में यह सुनिश्चित करने का संकल्प किया गया है कि इस दशक में 14 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को संतोषप्रद गुणवत्ता वाली नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध हो जाए। सम्पूर्ण साक्षरता अभियान नीति पर आधारित राष्ट्रीय साक्षरता मिशन को प्रशंसनीय परिणामों की उपलब्धि हुई है और वर्ष 1996-97 तक देश के 75 प्रतिशत जिलों को इस मिशन के अन्तर्गत लाया जाएगा। आगामी वर्षों में शिक्षा प्रणाली के क्षेत्र में स्वस्थ प्रबन्धन सिद्धांतों को अनुप्राणित करने और शैक्षिक प्रबन्धन को विकेन्द्रित करने पर बल दिया जाएगा।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्साहवर्धक प्रगति हुई है। मई, 1992 में ए एस एल वी का सफल प्रक्षेपण स्वदेशी प्रक्षेपण प्रौद्योगिकी में एक महत्वपूर्ण विकास है। जुलाई, 1992 में किया गया इन्सेट-2 ए का प्रक्षेपण और उसका सफलतापूर्वक कार्य प्रारम्भ कर देना परिष्कृत बहु-उद्देशीय उपग्रह बनाने की हमारी क्षमता का सूचक है। इस वर्ष जून में इन्सेट-2 बी और पी

एस एल वी का प्रक्षेपण करने की योजना से हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रम को और अधिक प्रोत्साहन मिलेगा। अंटार्कटिका में 11वीं वैज्ञानिक खोज यात्रा पूरी कर लेना और 12वें अभियान का शुभारंभ करना वर्ष 1992 में किए गए अन्य उल्लेखनीय विकास कार्य हैं। कृषि और स्वास्थ्य से सम्बद्ध जैव प्रौद्योगिकी साधन का लाभ उठाने के सम्बन्ध में जो प्रयास किए जा रहे हैं, उन्हें जारी रखा जाएगा।

इस वर्ष परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही है—3 सितम्बर, 1992 को 220 मेगावाट के काकरापाड़ा ऐटोमिक पावर स्टेशन यूनिट-1 का चालू किया जाना तथा 24 नवम्बर, 1992 को इसे ग्रिड के साथ जोड़ दिया जाना।

हमारे सशस्त्र बल हमारी क्षेत्रीय अखण्डता की सुरक्षा करने के लिए हर समय तैयार रहते हैं। जन-शक्ति योजना और प्रबंधन कार्य में सुधार और रक्षा प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता के संबंध में किए गए निवेशों के अब अच्छे परिणाम प्राप्त हो रहे हैं।

सशस्त्र बलों ने इस वर्ष अनेक अवसरों पर कानून और व्यवस्था बनाए रखने और राहत और बचाव कार्य करने में सिविल प्राधिकारियों की सहायता की है। उन्होंने अपना कार्य प्रशंसनीय समर्पण की भावना से किया है।

रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में, विशेष रूप से अतिरिक्त पुर्जों के स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भरता के सम्बन्ध में सुदृढ़ प्रयास किए गए हैं। परिवर्तित औद्योगिक नीतियों को ध्यान में रख कर ही रक्षा और सिविल क्षेत्र की उत्पादन यूनिटों के बीच के सम्बन्धों की पारस्परिक सुदृढ़ता को प्रोत्साहित करने के लिए कदम उठाए गए हैं।

सेवारत और सेवानिवृत्त सशस्त्र बल के कार्मिकों के कल्याण में वृद्धि करने के लिए सरकार वचनबद्ध है।

हमने अपनी विदेश नीति के उद्देश्यों का द्विपक्षीय और अंतर्राष्ट्रीय फोरम दोनों में दृढ़ता-पूर्वक अनुसरण किया है। पड़ौसी देशों के साथ संबंध और सुदृढ़ करने पर बल दिया गया और इसके अच्छे परिणाम सामने आये हैं। इन देशों के जिन महत्वपूर्ण व्यक्तियों ने भारत का दौरा किया, उनमें श्रीलंका के राष्ट्रपति, बंगलादेश की प्रधानमंत्री, नेपाल के प्रधानमंत्री और भूटान नरेश भी शामिल हैं। इन दौरों के परिणामस्वरूप इन देशों के साथ हमारे संबंध मजबूत हुए हैं। बंगला-देश की प्रधानमंत्री के दौरे के समय बंगलादेश को तीन बीघा का गलियारा पट्टे पर सौंप देने की हमारी वचनबद्धता पूरी की गई थी। भूटान नरेश के आगमन के समय महत्वपूर्ण संकोष बहु-उद्देशीय परियोजना के लिए गहन अन्वेषण कार्य करने हेतु दोनों देशों के बीच एक सहमति-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

पाकिस्तान द्वारा जम्मू-कश्मीर और पंजाब में लगातार आतंकवाद और तोड़फोड़ की कार्र-वाइयों में मदद दिए जाने के बावजूद हमने विभिन्न द्विपक्षीय समस्याओं को सुलझाने का प्रयत्न किया है। इस लक्ष्य को ध्यान में रखकर प्रधानमंत्री ने पिछले वर्ष दो बार पाकिस्तान के प्रधान मंत्री से बातचीत की। दुर्भाग्यवश हमारे प्रयासों से इस दिशा में कोई विशेष प्रगति नहीं हुई। हम पाकिस्तान से अनुरोध करते हैं कि वह जानबूझकर कोई विवाद खड़ा न करे और भड़काने वाली कार्रवाइयों से दूर रहे तथा हमारे साथ अपने सम्बन्धों का एकतरफा लाभ उठाने के लोभ से बचे। द्विपक्षीय बातचीत के अलावा हमारे पास और कोई विकल्प नहीं है।

पुराने मतभेदों को भुलाकर सरकार लगातार चीन के साथ एक अच्छे पड़ोसी जैसे संबंध बनाने की नीति पर चल रही है। हम सीमा सम्बन्धी विवाद का एक निष्पक्ष, उचित और दोनों पक्षों को स्वीकार्य हल निकालने का भी प्रयास कर रहे हैं। पिछले वर्ष दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय यात्राओं में से एक यात्रा हमारे भूतपूर्व राष्ट्रपति श्री आर० वेंकटरामन की थी। इस वर्ष चीन के विदेश मंत्री भी भारत यात्रा पर आने की संभावना है। हमारे प्रधानमंत्री भी चीन की यात्रा पर जाएंगे।

हम अमरीका के राष्ट्रपति श्री क्लिंटन तथा उनके प्रशासन के साथ मिलकर आपसी सहमति, विश्वास और साझा मूल्यों तथा समान हितों के आधार पर दोनों देशों के बीच सम्बन्ध स्थापित करने के इच्छुक हैं। शीत युद्ध की समाप्ति के बाद बदली हुई अन्तर्राष्ट्रीय परिस्थितियों में भारत-अमरीका संबंधों को मजबूत करने की दिशा में गति आई है, जिससे कई अन्य क्षेत्रों में सहयोग के साथ-साथ राजनीतिक स्तर पर भी दोनों देशों के बीच समझबूझ की भावना बढ़ी है।

राष्ट्रपति येल्तसिन की यात्रा से द्विपक्षीय और अन्तर्राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर विचारों के विस्तृत आदान-प्रदान का मौका मिला है। कश्मीर के सम्बन्ध में हमने अपनी स्थिति स्पष्ट की। राष्ट्रपति येल्तसिन ने स्पष्ट रूप से भारत को अपने देश का पूरा समर्थन दिए जाने की बात कही है। इस यात्रा के दौरान ऋण की अदायगी के मुद्दे को सुलझाया गया तथा कई करारों पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे कि दोनों देशों के बीच भावी मित्रता और घनिष्ट सम्बन्धों की मजबूत नींव रखी जा सकी है।

पिछले महीनों में हमें पश्चिम यूरोप के तीन महत्वपूर्ण शासनाध्यक्षों का अपनी भूमि पर स्वागत करने का अवसर मिला है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री श्री जॉन मेजर हमारे गणतन्त्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि थे। उनकी यात्रा से भारत-ब्रिटेन मैत्री और सहयोग बढ़ा है तथा लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धान्त पर कायम रहने की हमारी प्रतिबद्धता के प्रति ब्रिटेन की सहमति की फिर से पुष्टि हुई है। उन्होंने आतंकवाद से निपटने में पूरा सहयोग देने का वायदा किया है। इस यात्रा का एक और महत्वपूर्ण परिणाम यह हुआ कि इससे भारत और ब्रिटेन के बीच आर्थिक और वाणिज्यिक सहयोग को और अधिक बढ़ावा मिला है। इस महीने के शुरू में हमने स्पेन के राष्ट्रपति श्री फिलिप गोंजालेज का स्वागत किया। हाल ही में जर्मनी के चांसलर हेलमुट कोल अन्तर्राष्ट्रीय सद्भाव के लिए जवाहरलाल नेहरू पुरस्कार प्राप्त करने भारत की यात्रा पर आए। इन महत्वपूर्ण यात्राओं से इस बात का परिचय मिलता है कि देश के सामने उपस्थित विभिन्न समस्याओं को सुलझाने की हमारी क्षमता तथा हमारी लोकतांत्रिक एवं सर्वधर्म सम्मान की प्रणाली की मजबूती की सराहना विदेशों में हो रही है। इन यात्राओं से हमारी विदेश नीति और हमारे आर्थिक सुधार के कार्यक्रमों को और अधिक समर्थन मिला है।

यह संयोग की बात है कि भारत और जापान के बीच राजनयिक सम्बन्धों की चालीसवीं वर्षगांठ पर वर्ष 1992 में प्रधानमन्त्री जापान की यात्रा पर गए और उन्होंने दोनों देशों के बीच शान्ति समझौते पर हस्ताक्षर किए। हमारी आर्थिक उदारीकरण की नीति में जापान की दिलचस्पी बढ़ने का इस बात से पता चलता है कि भारत में जापान के प्रत्यक्ष निवेश में वृद्धि हुई है। हम सभी स्तरों पर जापान के साथ सम्बन्धों को मजबूत करने के लिए वचनबद्ध हैं।

हमने मध्य एशिया के नव स्वतंत्र देशों के साथ अपने सम्बन्धों को मजबूत बनाने पर विशेष बल दिया है, जिसके साथ हमारे वर्षों पुराने सांस्कृतिक सम्बन्ध रहे हैं। पिछले वर्ष उज्बेकिस्तान,

कजाकिस्तान, किर्गिस्तान तथा तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रपतियों की भारत यात्रा के बाद मध्य एशिया में भारत से उच्चस्तरीय यात्राएं हुईं। कुछ दिन पहले ताजकिस्तान के प्रधानमंत्री भारत की यात्रा पर आए थे। इस यात्रा के दौरान ऐसे करारों पर हस्ताक्षर किए गए, जिनसे मध्य एशिया के सभी देशों के साथ हमारे सम्बन्धों को एक नया और दीर्घकालीन आयाम मिला है।

सामरिक महत्व के आणविक भंडारों में कमी लाने के लिए अमरीका और रूस के बीच हुई स्टार्ट-II संधि का हम स्वागत करते हैं तथा इसे सही दिशा में उठाया गया कदम मानते हैं। बहुपक्षीय निरस्त्रीकरण के क्षेत्र में रासायनिक शस्त्र समझौते का सफलतापूर्वक सम्पन्न होना एक महत्वपूर्ण घटना है, जिसमें व्यापक विनाश के सभी प्रकार के हथियारों को समाप्त करने की व्यवस्था है। यह एक विश्वव्यापी और भेदभाव रहित संधि है, जिसे भविष्य में होने वाली वार्ताओं के लिए एक आदर्श के रूप में देखा जाना चाहिए। यह व्यापक निरस्त्रीकरण के लिए भारत की कार्य योजना को एक दृढ़ आधार प्रदान करती है, जिसे 1988 में प्रधानमन्त्री राजीव गांधी ने संयुक्त राष्ट्र संघ में प्रस्तुत किया था। इस क्षेत्र में उल्लेखनीय परिणामों को प्राप्त करने के लिए क्षेत्रीय अथवा उप-क्षेत्रीय दृष्टिकोण को नहीं अपितु एक विश्वव्यापी दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

समय की आवश्यकता है कि संयुक्त राष्ट्र संघ पुनः शक्तिशाली हो और इसकी कार्यसूची अधिक सुस्पष्ट हो। संयुक्त राष्ट्र संघ का प्रभाव इस बात पर निर्भर करेगा कि वह अपनी संरचना को प्रजातांत्रिक बनाने और व्यवस्थित करने में कितना सक्षम है ताकि यह अपने सदस्यों की चिंताओं का समायोजन और प्रतिबिम्बन कर सके।

संयुक्त राष्ट्र संघ गुट निरपेक्ष आन्दोलन, राष्ट्रमंडल और ग्रुप-15 में बहुपक्षीय स्तर पर हमारी सहभागिता अपनी प्राथमिकताओं और चिंताओं के सामान्य ढांचे के अंतर्गत ही रही है। पिछले सितम्बर में जकार्ता में गुट निरपेक्ष शिखर सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री के भाषण से विचार-विमर्श का मार्ग प्रशस्त हुआ, जिसमें गुट निरपेक्ष आन्दोलन की सतत सार्थकता पर पुनः बल दिया गया और भावी कार्यसूची को प्राथमिकता दी गई ताकि इसकी विशिष्ट चिंताओं के मामलों पर ध्यान केन्द्रित किया जाए।

रियो डी जेनेरियो में जून, 1992 में हुए पर्यावरण एवं विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यू एन सी ई डी) के दौरान प्रधानमंत्री के भाषण में पर्यावरण और विकास के बीच अभिन्न संबंध बनाए रखने पर जोर दिया गया, जो पर्यावरण तथा विकास संबंधी सभी मसलों को हल करने की दिशा में अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित हुआ। विकासशील देश पर्यावरण को सुरक्षित रखने के व्यापक प्रयास में विकसित देशों के साथ शामिल हो सकें, इसके लिए उनको प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण करने तथा अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराने के भारत के प्रस्ताव का सम्मेलन में व्यापक स्वागत तथा समर्थन किया गया।

माननीय सदस्यगण, देश आज जिस संकट के दौर से गुजर रहा है, उसमें आपके कन्धों पर भारी जिम्मेदारी आ पड़ी है। पिछले वर्ष जहां आपने उल्लेखनीय स्तर पर सहयोग देखा, वहीं असहमति के प्रबल पक्ष भी देखे। ये सब एक जीवन्त लोकतन्त्र को प्रदर्शित करते हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि इस वर्ष समस्याओं से निपटने के लिए आप पूरे देश के समक्ष अपने उत्कृष्ट आचरण और नेतृत्व का परिचय देंगे। राष्ट्र इस महान संस्था के प्रतिनिधियों से इससे कुछ भी कम की आकांक्षा नहीं रखता। आपको साहस, बुद्धिमत्ता और अनुशासन के साथ राष्ट्र का मार्गदर्शन करना है।

मैं आपका आह्वान करता हूं कि इस अधिवेशन में आप अपने कार्य में जुट जाएं और इसके लिए आपकी सफलता की कामना करता हूं।

जय हिन्द ।

12.51 1/2 म०प०

निधन संबंधी उल्लेख

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्यों, आज हम दो माह के अन्तराल के बाद एकत्र हुए हैं और मुझे अपने सात भूतपूर्व सहयोगियों डा० मनमोहन दास, सर्वश्री श्रद्धाकर सुपाकर, अन्नासाहेब पी० शिन्दे, राघवेन्द्रराव श्रीनिवासराव दीवान, बैजनाथ महोदया, बिन्देश्वरी दुबे और बीरेन राव के दुखद निधन की सूचना देनी है।

डा० मन मोहन दास 1952-67 के दौरान पश्चिम बंगाल के बर्दवान, आसनसोल तथा आसग्राम (आरक्षित) निर्वाचन क्षेत्रों से क्रमशः पहली, दूसरी तथा तीसरी लोक सभा के सदस्य रहे। इससे पूर्व 1948-52 के दौरान वह संविधान सभा तथा अन्तरिम संसद के भी सदस्य रहे।

व्यवसाय से चिकित्सक डा० दास एक समर्पित सामाजिक तथा राजनैतिक कार्यकर्ता थे। समाज के निर्धन वर्गों के उत्थान के लिए उन्होंने अथक प्रयास किए। वह आल बंगाल रविदास एसोसियेशन से भी सम्बद्ध रहे।

लगभग दो दशकों के अपने दीर्घ संसदीय कार्यकाल में डा० दास ने विभिन्न पदों पर देश की सेवा की। एक कुशल प्रशासक के रूप में 1956-66 के दौरान केन्द्रीय मंत्रिपरिषद में उप मंत्री के रूप में उन्होने विभिन्न मंत्रालयों के कार्यभार का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया।

डा० मन मोहन दास का निधन 82 वर्ष की आयु में 13 दिसम्बर, 1992 को हुआ।

श्री श्रद्धाकर सुपाकर ने 1957-62 तथा 1867-70 के दौरान दूसरी तथा चौथी लोक सभा में उड़ीसा के सम्बलपुर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। वर्ष 1965-67 के दौरान वह राज्य सभा के भी सदस्य रहे। इससे पूर्व 1949-56 के दौरान वह उड़ीसा विधान सभा के भी सदस्य रहे तथा 1952-56 के दौरान उन्होंने विधान सभा में विपक्ष के नेता के रूप में भी कार्य किया।

श्री सुपाकर व्यवसाय से वकील थे। उन्होंने उड़ीसा में शिक्षा के विस्तार में भी गहन रुचि ली। उन्होंने अनेक शैक्षणिक संस्थाओं एवं विश्वविद्यालयों में विभिन्न पदों पर कार्य किया। वर्ष 1939-41 के दौरान वह उड़ीसा पाठ्य पुस्तक समिति के भी सदस्य रहे।

नागरिक स्वतंत्रताओं के दृढ़ पक्षधर श्री सुपाकर अखिल भारतीय नागरिक स्वतंत्रता सम्मेलन के 1954 में कटक में आयोजित किए गए सम्मेलन की स्वागत समिति के सभापति रहे।

वह एक अनुभवी संसदविद् थे। वह 1957-59 तथा 1959-60 के दौरान लोक सभा की क्रमशः प्राक्कलन समिति तथा लोक लेखा समिति के सदस्य रहे। इससे पूर्व उन्होंने 1952-54 के दौरान उड़ीसा विधान सभा की लोक लेखा समिति के सभापति के रूप में भी कार्य किया। वह सभा की कार्यवाही में सक्रिय रूप से भाग लेते थे और उसमें उनका मूल्यवान योगदान होता था।

श्री सुधाकर एक विद्वान व्यक्ति थे। अंग्रेजी तथा उड़िया में उनकी अनेक पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं जिनमें "अमर जीवन" शीर्षक से उनकी आत्म-कथा भी शामिल है।

श्री सुधाकर का 78 वर्ष की आयु में 6 जनवरी, 1993 को देहान्त हो गया।

श्री अन्नासाहिब पी० शिंदे एक कुशल प्रशासक, सुविख्यात सामाजिक कार्यकर्ता तथा एक प्रसिद्ध सांसद थे। वह 1962-70 के दौरान महाराष्ट्र के कोपरगांव संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से तीसरी तथा चौथी लोक सभा के सदस्य रहे। 1971-79 में वह अहमद नगर से पांचवीं और छठी लोक सभा के लिए चुनकर आए।

श्री शिंदे ने स्वतंत्रता आन्दोलन में भाग लिया और 1942 में 'भारत छोड़ो आन्दोलन' में भी सक्रिय रहे तथा जेल की सजा काटी।

व्यवसाय से श्री शिंदे एक वकील थे तथा कृषक भी थे। उन्होंने एक प्रशासक, योजनाकार तथा किसानों के हितैषी के रूप में ख्याति अर्जित की। उन्होंने 1966-77 के दौरान केन्द्रीय मंत्रिपरिषद में विभिन्न मंत्रालयों का कार्य बाखूबी निभाया।

श्री शिंदे को कृषि के विकास के लिए काम करने का बड़ा शौक था। वह कृषि संबंधित अनेक सरकारी तथा गैर-सरकारी निकायों और सहकारी समितियों से जुड़े थे। केन्द्र में केन्द्रीय मंत्री के अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कृषि अनुसंधान का पुनर्गठन किया और अनेक कृषि विश्वविद्यालयों की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वह एक जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता थे और उन्होंने गरीबों को निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के लिए काम किया तथा अनेक सहकारी संस्थाओं की स्थापना की। वह अनेक छात्र कल्याण संस्थाओं से भी सम्बद्ध रहे।

श्री शिंदे सभा की कार्यवाही में अत्यधिक दिलचस्पी लेते थे जो देश के प्रति उनकी उत्कृष्ट सेवा का प्रमाण है। वह सभा की प्राक्कलन समिति के सदस्य भी रहे।

श्री शिंदे ने काफी अधिक यात्रा की और उन्होंने हेग में हुई विश्व खाद्य कांग्रेस में देश का प्रतिनिधित्व किया।

वह एक बहुत बड़े विद्वान थे तथा उन्होंने कई पुस्तकें भी लिखीं, जिनमें 'भारतीय कृषि और खाद्य की समस्यायें' और 'भारत-पाकिस्तान संघर्ष' नामक पुस्तकें भी शामिल हैं। श्री शिंदे की पत्रकारिता में भी काफी रुचि थी और उन्होंने कुछ समय के लिए 'जनसत्ता' नामक एक साप्ताहिक समाचार-पत्र का सम्पादन भी किया।

श्री शिंदे का 71 वर्ष की अवस्था में बंबई में 12 जनवरी, 1993 को देहावसान हो गया।

श्री राघवेन्द्रराव श्रीनिवासराव दीवान 1952 से 1957 के दौरान पहली लोक सभा के सदस्य रहे और उन्होंने हैदराबाद राज्य के उस्मानाबाद निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। इससे पूर्व वह लटूर नगर के सदस्य रहे।

श्री दीवान एक शिक्षक थे और साथ ही सक्रिय सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ता थे। उन्होंने लटूर क्षेत्र के विकास के लिए 15 वर्षों से भी अधिक तक काम किया और अनेक सामाजिक और राजनीतिक संगठनों से सम्बद्ध रहे। उन्होंने 1938 में हैदराबाद राज्य कांग्रेस सत्याग्रह में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और राजनीतिक गतिविधियों के कारण 1941-42 में उन्हें जेल भी जाना पड़ा।

श्री दीवान महिलाओं की शिक्षा के प्रति काफी जागरूक थे और उन्होंने 1936 में लटूर में कन्या विद्यालय भी स्थापित किया।

श्री दीवान और सक्रिय सांसद थे। सभा की कार्यवाही में हिस्सा लेकर वह चर्चाओं को काफी उपयोगी और अर्थपूर्ण बना देते थे।

उनका देहावसान 88 वर्ष की आयु में पुणे में 16 जनवरी, 1993 को हुआ।

श्री बैजनाथ महोदय, वर्ष 1952-57 के दौरान तत्कालीन मध्य भारत राज्य के नीमच निर्वाचन क्षेत्र से प्रथम लोक सभा के सदस्य रहे।

श्री महोदय अनुभवी स्वतंत्रता सेनानी तथा सर्वोदय नेता थे। वह 1921 से साबरमती के सत्याग्रह आश्रम के सदस्य बन गए तथा स्वतंत्रता आन्दोलन में भाग लेने के लिए उन्हें कई बार कारावास का दण्ड झेलना पड़ा।

वह एक कुशल प्रशासक थे और राज्य में बुनियादी शिक्षा को प्रोत्साहित करने संबंधी कार्यों में गहरी दिलचस्पी लेते थे। उन्होंने इंदौर राज्य के शिक्षा, श्रम तथा विकास मंत्री के रूप में 1947-48 के दौरान काम किया। जाने-माने जन सेवक के रूप में उन्होंने ग्रामीण जनता के कल्याण के लिए बड़ी सक्रियता से कार्य किया।

1.00 म०प०

सुविज्ञ श्री महोदय ने गांधी जी और टॉलस्टाय की अनेक कृतियों का अनुवाद किया। वह पत्रकारिता में भी दिलचस्पी रखते थे तथा उन्होंने 'लोक सेवक' नामक हिन्दी साप्ताहिक का भी संपादन किया।

उनका 96 वर्ष की आयु में 19 जनवरी, 1993 को इंदौर में देहावसान हो गया।

श्री बिंदेश्वरी दुबे अनुभवी स्वतंत्रता सेनानी, कुशल प्रशासक, सुविख्यात मजदूर नेता तथा सुविज्ञ सांसद थे। बिहार के गिरिडीह निर्वाचन क्षेत्र का उन्होंने 1980-84 के दौरान सातवीं लोक सभा के सदस्य के रूप में प्रतिनिधित्व किया। वह 1988 से राज्य सभा के सदस्य थे। इससे पहले वह 1952-57, 1963-77 तथा 1985-88 के दौरान बिहार विधान सभा के सदस्य रहे।

श्री दुबे ने स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के लिए अपना इंजीनियरिंग का अध्ययन छोड़ दिया था तथा 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन में बड़ी सक्रियता से भाग लिया था।

आजादी के बाद उन्होंने अनेक पदों पर रहते हुए देश की सेवा की। केन्द्रीय मंत्री परिषद् में उन्होंने विधि, न्याय तथा श्रम मंत्रालय का पदभार संभाला। इससे पूर्व उन्होंने बिहार राज्य मंत्रि मंडल में शिक्षा, परिवहन तथा स्वास्थ्य मंत्री के रूप में कार्य किया और 1985 से 1988 के दौरान राज्य के मुख्य मंत्री रहे। इस दौरान राज्य प्रशासन में परिवर्तन करने के साथ-साथ उसे पूर्ण रूप से सुव्यवस्थित किया। जिला चंपारन को उन्होंने अपराधियों तथा अन्य असामाजिक तत्वों से मुक्त कराने के लिए 'आपरेशन ब्लैक पैंथर' नामक अभियान चलाया।

श्री दुबे एक प्रख्यात ट्रेड यूनियन नेता थे। कोयला, इस्पात, इंजीनियरिंग तथा बिजली उद्योगों के ट्रेड यूनियन आन्दोलन के साथ वह घनिष्ठता से जुड़े हुए थे। उन्होंने कोयला खान श्रमिकों को बेहतर वेतन और सेवा शर्तें उपलब्ध कराने के लिए अनवरत रूप से आन्दोलन किया। उन्होंने अपने आप को यूरोप के देशों में खानों और कारखानों में काम करने वाले श्रमिकों की कार्यदशा का अध्ययन करने के लिए यूरोप के अनेक देशों का दौरा किया। वह 'इंटक' से घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए थे और 1981 में इसके अध्यक्ष रहे।

व्यापक भ्रमण किए हुए श्री दुबे ने अनेक अंतर्राष्ट्रीय मजदूर सम्मेलनों और गोष्ठियों में देश का प्रतिनिधित्व किया।

अनुभवी सांसद के तौर पर उन्होंने समाज के निर्बल वर्गों की समस्याओं को हल करने में संसद रूपी मंच का प्रभावी ढंग से प्रयोग किया। एक संसद सदस्य एवं मंत्री के रूप में उन्होंने संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही में अपना मूल्यवान योगदान किया।

श्री दुबे का निधन 20 जनवरी, 1993 को 72 वर्ष की आयु में मद्रास में हुआ।

श्री बीरेन राय 1957-59 के दौरान पश्चिम बंगाल के कलकत्ता दक्षिण-पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से दूसरी लोक सभा के सदस्य रहे। वह 1960-72 की अवधि के दौरान राज सभा के सदस्य भी रहे। इससे पूर्व वह 1943 में अविभाजित बंगाल विधान परिषद् और 1952-57 की अवधि के दौरान पश्चिम बंगाल विधान सभा के सदस्य रहे।

श्री राय नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के साथियों में थे और साइमन कमीशन के बहिष्कार में भाग लेने के कारण उन्हें अपने उच्च अध्ययन को छोड़ना पड़ा।

श्री राय ने सार्वजनिक जीवन के सभी क्षेत्रों में गहरी रुचि ली। उनका सबसे महत्वपूर्ण योगदान देश में उड्डयन को प्रोत्साहित करना था। उन्होंने 1948 में एक हल्के विमान 'मेघदूत' का डिजाइन तैयार किया जिसे भारत में डी०जी०सी०ए० ने तथा यूरोप में विमान प्राधिकारियों ने स्वीकृत किया। 1950 तथा 1951 में उन्होंने नेशनल एयर रैलीज तथा एयर रेस का भी आयोजन किया। श्री राय ने व्यापक भ्रमण किया तथा उन्होंने 1950-60 के दौरान पैरिस, वीयना, पालेरमो, संयुक्त राज्य अमरीका, मास्को और बार्सीलोना में अनेकों अंतर्राष्ट्रीय उड्डयन सम्मेलनों में भाग लिया तथा उन देशों में उड्डयन के विकास पर व्याख्यान दिए। वह विभिन्न हैसियतों से ग्रेट ब्रिटेन की रायल ऐरोनोटिकल सोसाइटी तथा ऐरोनोटिकल सोसाइटी आफ इण्डिया से भी सम्बद्ध रहे।

श्री राय महिलाओं के कल्याण में गहरी दिलचस्पी लेते थे तथा उनकी शिक्षा के लिए अनेक विद्यालयों की स्थापना की। उन्होंने भारत में प्रशासन सेवा के प्रारम्भिक वर्षों—1927-30,

के दौरान कलकत्ता रेडियो स्टेशन से पहली बार वाणिज्यिक विज्ञापनों का प्रसारण आरम्भ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

श्री राय संसदीय गतिविधियों में गहरी रुचि लेते थे। वह इंडियन पार्लियामेन्ट्री ग्रुप, संसदीय तथा संवैधानिक अध्ययन संस्थान तथा राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (बंगाल) के आजीवन सदस्य थे।

श्री राय कलम के धनी थे तथा उन्होंने अनेकों पुस्तकें लिखीं। उन्होंने बंगाल म्युनिसिपल गजट "तथा ट्रैवल" नामक भारत की प्रथम यात्रा पत्रिका का भी सम्पादन किया।

श्री राय का 83 वर्ष की आयु में 21 जनवरी, 1993 को कलकत्ता में निधन हुआ।

हम इन मित्रों के निधन पर गहरी संवेदना प्रकट करते हैं और मुझे विश्वास है कि शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करने में सभा मेरा साथ देगी।

अब सभा में मृतकों के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए थोड़ी देर मौन रखा जाएगा।

तत्पश्चात सदस्यगण दिवंगत आत्माओं के प्रति सम्मान में थोड़ी देर मौन खड़े रहे।

———

1.05 म०प०

मंत्रियों का परिचय

प्रधान मंत्री (श्री पी० वी० नरसिंह राव) : अध्यक्ष महोदय, आपकी अनुमति से मैं केन्द्रीय मंत्रिपरिषद में शामिल अथवा पदोन्नत कुछ अपने सहयोगियों का परिचय कराना चाहता हूं।

श्री दिनेश सिंह, विदेश मंत्री।

श्री प्रणव मुखर्जी, वाणिज्य मंत्री।

श्री एन०के०पी० साल्वे, विद्युत मंत्री।

कैप्टन सतीश कुमार शर्मा, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री।

श्री के० पी० सिंह देव, सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री।

डा० अबरार अहमद, वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री।

श्री अरविन्द नेताम, कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री।

श्री भुवनेश चतुर्वेदी, प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री।

श्री एम० वी० चन्द्रशेखर मूर्ति, वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री।

श्री मुकुल बालकृष्ण वासनिक, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (युवा कार्य एवं खेल विभाग) में राज्य मंत्री।

श्रीमती बासवा राजेश्वरी, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (महिला एवं बाल विकास विभाग) में राज्य मंत्री ।

श्री के० वी० तंगकाबालू, कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री ।

श्री पी० एम० सईद, गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री ।

श्री पी० वी० रंगय्या नायडू को विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री के रूप में पदोन्नत किया गया है ।

अध्यक्ष महोदय : सभा मंगलवार, 23 फरवरी, 1993 को 11.00 म०पू० पर पुनः समवेत होने के लिए स्थगित होती है ।

1.07 म०प०

तत्पश्चात् लोक सभा मंगलवार, 23 फरवरी, 1993/फाल्गुन 4, 1914 (शक) के ग्यारह बजे तक के लिए स्थगित हुई ।

चौधरी मुद्रण केन्द्र, 12/3, श्रीराम मार्ग, मौजपुर दिल्ली-53